भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 50 का उत्तर

रेलगाड़ियों में अनारक्षित डिब्बों की संख्या में कमी

***50. सुश्री एस. जोतिमणि:**
श्री सचिदानन्दम आर.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दो वर्षों के दौरान विभिन्न रेलवे जोनों में विभिन्न रेलगाड़ियों में जोन-वार अनारक्षित डिब्बों की संख्या में कितनी कमी की गई है और इस कमी के क्या कारण हैं;

(ख) 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान अनारक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस कमी के कारण कितने अनारक्षित यात्री प्रभावित हुए हैं और उन्हें समायोजित करने के लिए यदि कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है, तो वह क्या है;

(घ) क्या सरकार ने अनारक्षित यात्रा की मांग के संबंध में कोई अध्ययन कराया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 23.07.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 50 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ) जी नहीं, रेलवे ने साधारण श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ही, लंबी दूरी वाली विभिन्न रेलगाड़ियों में 1250 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया है।

गैर-वातानुकूलित डिब्बों का प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़कर लगभग 70% हो गया है, जैसा कि नीचे दिया गया है:

सारणी 1: सवारी डिब्बों का वितरण:

गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बे (सामान्य और शयनयान)	**लगभग 57,200**	**लगभग 70%**
वातानुकूलित सवारी डिब्बे	**लगभग 25,000**	**लगभग 30%**
कुल सवारी डिब्बे	**लगभग 82,200**	**100%**

साधारण सवारी डिब्बों की अधिक उपलब्धता के कारण, साधारण/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि का रुझान देखा गया है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

सारणी 2: साधारण/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रियों की संख्या:

वर्ष	**यात्रियों की संख्या**
2020-21	**99 करोड़ (कोविड वर्ष)**
2021-22	**275 करोड़ (कोविड वर्ष)**
2022-23	**553 करोड़**
2023-24	**609 करोड़**
2024-25	**651 करोड़**

पिछले कुछ वर्षों में गैर-वातानुकूलित यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान संरचना इस प्रकार है:

तालिका 3: सीटों का वितरण:

गैर-वातानुकूलित सीटें	लगभग 54 लाख	लगभग 78%
वातानुकूलित सीटें	लगभग 15 लाख	लगभग 22%
कुल	लगभग 69 लाख	100%

उपरोक्त आंकड़ों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि भारतीय रेल निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों, के लिए प्रतिबद्ध है, जो रेलवे को परिवहन के एक किफायती साधन के रूप में पसंद करते हैं।

रेलवे ने अमृत भारत एक्सप्रेस नामक पूर्णतया गैर-वातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ी विकसित की है। पहले से ही 14 सेवाएं परिचालित की जा रही हैं। इन आधुनिक रेलगाड़ियों में झटका मुक्त यात्रा के लिए अर्ध-स्वचालित कपलर, क्षैतिज स्लाइडिंग खिड़कियां, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बॉटल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि जैसी उन्नत सुविधाएं हैं। इन रेलगाड़ियों में 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे और 11 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे हैं।

साधारण और गैर-वातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक स्थान प्रदान करने के लिए, मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना संबंधी मौजूदा नीति में 22 सवारी डिब्बों की एक रेलगाड़ी में 12 (बारह) साधारण श्रेणी और शयनयान श्रेणी गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान किया गया है, जिससे साधारण और गैर-वातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान प्रदान किया जा सके।

इसके अलावा, अनारक्षित सुविधा लेने के इच्छुक यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल किफायती यात्रा के लिए अनारक्षित गैर-वातानुकूलित यात्री रेलगाड़ियां/एमईएमयू/ईएमयू आदि चलाती है, जो मेल/एक्सप्रेस सेवाओं में उपलब्ध अनारक्षित स्थान (सवारी डिब्बे) के अतिरिक्त हैं।

अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का विकास, एमईएमयू रेलगाड़ियों का विनिर्माण और साधारण सवारी डिब्बों की हिस्सेदारी में वृद्धि करना स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि भारतीय रेल साधारण श्रेणी में यात्रा की माँग को प्रभावी ढंग से पूरा कर रही है।

गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों की वर्तमान उच्च हिस्सेदारी (कुल डिब्बों का लगभग 70%) के अलावा, रेलवे अगले 5 वर्षों में 17,000 गैर-वातानुकूलित साधारण/शयनयान सवारी डिब्बों के लिए एक विशेष विनिर्माण कार्यक्रम निष्पादित कर रही है।

इसलिए, यह कहना सही नहीं है कि रेलवे ने साधारण सवारी डिब्बों की संख्या कम कर दी है।

*****